Massacre of Dalits in Jahanabad

\$*23. SHRI JALALUDIN ANSARI:
SHRIMATI KAMLA SINHA:

Will the Minister of HOME AFFAIRS be pleased to state:

(a) whether Government's attention has been drawn to the recent massacre of 21 Dalits in Jahanabad district in Bihar by Ranvir Sena of the rich landlords;

(b) if so, the details thereof; and

(c) what is Government's reaction thereto?

THE MINISTER OF HOME AFFAIRS (SHRI L.K. ADVANI): (a) to (c) A Statement is laid on the Table of the House.

Statement

(a) to (c) According to information received from the State Government, on January 25, 1999, in the night, Ranvir Sena activists attacked Shankarbigha Tola, PS Mehandia, District Jehanabad. 22 persons were killed in this incident. Besides, 10 persons were injured. Those killed included 9 males, 5 females and 8 children. A case under sections 147/148/302/307/324 IPC, 27 Arms Act and 3/4 Harijan Atyachar Nivaran Adhiniyam was registered in this connection 32 persons have been arrested so far.

The Government condemns all acts of violence. A multi-faceted approach is called for to tackle the ongoing violence in Bihar.

After assessing, inter alia, the law and order situation in the State, Bihar has been placed under President's rule, by invoking the provisions of article 356 of the Constitution of India, with effect from 12.2.199.

\$Starred Question Nos. 23 and 27 were taken together.

†The question was actually asked on the floo of the House bv Shri Jalaludin Ansari.

बिहार में सेनाओं द्वारा बड़े पैमाने पर हत्याएं किया जाना

\$*27. **श्री प्रफुल्ल गोरड़िया:**
श्री ओंकार सिंह लखावत:

क्या गृह मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) बिहार में गत पांच वर्षों के दौरान लूटमार करने वाली सेनाओं द्वारा कितने नरसंहार किए गए हैं और राज्य में विद्यमान निजी सेनाओं की संख्या कितनी है;

(ख) क्या यह सच है कि इन सेनाओं को निरस्त्र करने के लिए राज्य सरकार ने कोई प्रभावी कार्यवाही नहीं की है; और

(ग) यदि हां, तो राज्य में कानून-व्यवस्था तंत्र पूरी तरह से चरमरा जाने पर केन्द्रीय सरकार क्या कार्यवाही करने का विचार रखती है?

गृह मंत्री (**श्री लाल कृष्ण आडवाणी**) (क) से (ग) एक विवरण सदन के पटल पर रखा जाता है।

विवरण

(क) से (ग) राज्य सरकार से प्राप्त सूचना के अनुसार, 1994 से 1999 (19 फरवरी तक) की अवधि के दौरान बिहार में निजी सेनाओं द्वारा नरसंहार की 25 घटनाएं हुई। इन घटनाओं में 220 व्यक्ति मारे गए थे।

नक्सलवादी हिंसा का मुकाबला करने के लिए बिहार में प्रकट रूप से बड़ी संख्या में निजी सेनाएं बन गई हैं। इनमें से रणवीर सेना सबसे सक्रिय है। हालांकि, रणवीर सेना को राज्य सरकार द्वारा 1995 में विधि विरुद्ध संगठन घोषित किया गया था, इसकी गतिविधियां अक्षुण्ण रूप से चलती रहीं।

अन्य बातों के साथ-साथ, राज्य में कानून और व्यवस्था की स्थिति का आकलन करने के बाद, भारत के संविधान के अनुच्छेद 356 के अन्तर्गत बिहार में 12.2.1999 से राष्ट्रपति शासन लागू कर दिया गया है।

श्री जलालुद्दीन अंसारी: सभापति महोदय, रणवीर सेना बिहार में भूस्वामियों की सेना है और इसका मुख्यलक्ष्य भूमि सुधार कानूनों को न होने देना है, अर्थात जमीन का बंटवारा न हो और गरीबों को जमीन न मिल सके और इसके साथ ही खेतिहर मजदूर, जो न्यूनतम मजदूरी मांगते है, उस न्यूनतम मजदूरी का भी यह विरोध करती है। यह भूस्वामियों की सेना है और इस संबंध में,

\$तारांकित प्रश्न सं॰ 23 और 27 साथ साथ लिये गये।

महोदय आपको भी मालूम है सारे देश को मालूम है और हाउस को भी मालूम है कि 25 जनवरी को जिसका जवाब गृह मंत्री जी ने दिया है। शंकरधोगा में 22 दलितों और पिछड़ों की हत्या कर दी गई। मैं वहां खुद गया था, उनके घर में कोई दरवाजा भी नहीं था। इस तरह के लोगों की हत्याएं हुई। उसके बाद नारायणपुर में 10 फरवरी को हत्याएं हुई, वहां भी मैं गया था। दुर्भाग्य है कि उन गरीबों को साक्षी को देखते-देखते अब तो हम लोगों की आंखें भी पथरा गई हैं, अब हम लोगों की संवदेना मर गई है, यह मैं इस हाऊस के सामले कहना चाहता हूं। उसके बाद 12 तारीख को बिहार में राष्ट्रपति शासन लागू हुआ और 14 तारीख को शंकरधोगा के उसरी में दिन में चार-साढ़े बार बजे हथियारबंद गिरोह आए और उन्होंने दुकान पर बैठे सात लोगों की हत्याएं कर दी, जिसमें तीन स्वर्ण जाति के थे, दो पिछड़ी जाति के और दो दलित वर्ग के थे। तो यह है बिहार की स्थिति। मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं ...(**व्यवधान**)... मेरी बात को सुनिए ...(**व्यवधान**)...

मौलाना ओबेदुल्ला खान आज़मी: दलितों की लाशों से खिलवाड़ मत कीजिए, मसले को सही तरीके से लिजिए। ...(**व्यवधान**)...

श्री जलालुद्दीन अंसारी: मैं माननीय गृह मंत्री जी से यह जानना चाहता हूं कि रणवीर सेना के संबंध में बिहार में आम चर्चा है कि इसको कुछ राजनीतिक दलों का संरक्षण और समर्थन प्राप्त है, भारतीय जनता पार्टी का भी उस संगठन को संरक्षण और समर्थन प्राप्त है ..(**व्यवधान**) मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं ..(**व्यवधान**) मैं गृह मंत्री जी से जानना चाहता हूं कि आपकी पार्टी पर यह आरोप है, साथ ही साथ जिन दलों का रणवीर सेना को संरक्षण व सहयोग प्राप्त है, आप उनके बारे में सदन को बताएं।

श्री सभापतिः मंत्री जी को जवाब देने दीजिए ...(**व्यवधान**) आपका सवाल हो गया।

श्री जलालुद्दीन अंसारी: सर, मैं पुनः यह कहना चाहता हूं कि गृह मंत्री यह बताएं कि किन दलों का समर्थन रणवीर सेना को प्राप्त है? इसकी जानकारी वह सदन को दें।

†[شری جلال الدین انصاری: سر میں پھر یہ کہنا چاہتا ہوں کہ گرہ منتری یہ بتائیں کہ کن دلوں کا سمرتھن رنبیر سینا کو حاصل ہے۔ اسکی جانکاری وہ سدن کو دیں۔]

श्री सभापतिः ठीक है, हो गया।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: सभापति महोदय, माननीय सदस्य उस स्थान पर गए और मुझे विश्वास है कि इस प्रकार की घटनाएं जहां पर होती है, वहां अगर कोई प्रत्यक्ष जाएगा तो उसको सहज ही यह बात समझ में आएगी कि इस मामले को राजनीतिक रंग नहीं देना चाहिए ...(**व्यवधान**) ...

सभापति जी, मैं इस बात से बिल्कुल सहमत हूं कि इस सारे घटनाक्रम की तह में बिहार में भूमि-सुधार का ठीक प्रकार से लागू न होना एक प्रमुख कारण है और जो उन्होंने बात कहीं कि इसकी तह में कुछ भुस्वामी है, यह सच्चाई है। इसमें सबसे अधिक शिकार वे होते हैं जो दलित हैं, जो जनरली ऐग्रीकल्चरल लेवर हैं, वे सबसे अधिक भुक्तभोगी होते हैं। इसीलिए मुझे इस बात की खुशी हुई जब कुछ समय पहले 1997 में उस समय की बिहार सरकार ने निर्णय किया कि यह रणवीर सेना जो एक प्रकार से विभिन्न सेनाओं में सबसे अधिक एग्रेसिव है और इन इत्याकांडों में सबसे अधिक लिप्त है, उसका किसी राजनीतिक दल से या किसी राजनीतिक तत्व से संबंध है या नहीं, इसकी जानकारी करनी चाहिए। मुझे बहुत खुशी हुई जब 1997 में बिहार की सरकार ने इसके लिए जस्टिस अमीरदास कमीशन बनाया। जस्टिस अमीरदास एक सिटिंग जज हैं और उनको सरकार ने कहा कि आप इस बात की छानबीन करिए कि रणवीर सेना के पोलिटिकल ऐंटीसीडेंट्स क्या है, उनके पोलिटिकल संबंध क्या है लेकिन मुझे यह कहते हुए खेद होता है कि यद्यपि उस कमीशन को कहा गया कि आपको 6 महीने के अंदर काम पूरा करना है लेकिन आज के दिन तक उनको दफ्तर तक नहीं दिया गया है ...(**व्यवधान**) ... **कोई भेम करने की जरूरत नहीं है, मैं यह जरूर कहना चाहूंगा कि रणवीर सेना** ...(**व्यवधान**) ...

†[ ]Transliteration in Arabic Script

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: श्रीकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट का चुकी है ...(व्यवधान) ...

श्री संघ प्रिय गौतम: उससे क्या मतलब है इसका? उससे कोई मतलब नहीं है ...(व्यवधान)...

मौलाना ओबैदुल्ला खान आज़मी: सवाल यह है कि श्रीकृष्ण कमीशन की रिपोर्ट पर कोई कार्यवाही नहीं हो रही है ...(व्यवधान)...

†[مولانا عبید اللہ خان اعظمی: سوال یہ ہے کہ "شری کرشنا" کمیٹی کی رپورٹ پر کوئی کاروائی نہیں ہو رہی ہے - ..."مداخلت"...]

SHRI L. K. ADVANI: I am not yielding. Sir, I will confine myself. ....*(Interruptions)*...

श्री सभापति: आप बताइए।

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: सभापति महोदय, मैं इस मत का हूं कि इस प्रकार की सेनाएं जहां-जहां भी बनती हैं, वह कानून और व्यवस्था के लिए एक संकट पैदा करती है। ...(व्यवधान) ...

श्री नरेश यादव: सभापति महोदय, रणवीर सेना, भाजपा-समता का भाई है। ...(व्यवधान) ...

श्री सभापति: आगे मत आइए ...(व्यवधान)...

श्री नरेश यादव: सभापति जी, रणवीर सेना, भाजपा-समता का भाई है, यह इससे स्पष्ट है। मैं यह कागज सदन के पटल पर रखना चाहता हूं।

MR. CHAIRMAN: No. It cannot be laid on the Table of the House. I am not giving permission for that.

श्री लाल कृष्ण आडवाणी: सभापति जी, रणवीर सेना जैसे संगठनों के बारे में मैं यह कहना चाहूंगा कि जस्टिस अमीरदास आयोग अपना कार्य पूरा करे और इसमें जो भी दोषी हो व्यक्तिगत रूप से या संगठन के रूप में, उसको दंडित किया जाए, यह सरकार की नीति होगी।

श्री जलालुद्दीन अंसारी: मैं गृह मंत्री जी से यह पूछना चाहता हूं कि रणवीर सेना सहित अन्य सेनाओं के हथियारों को निरस्त करने और उन पर पाबंदी लगाने के लिए इनकी सरकार क्या करने जा रही है?

†[ ]Transilteration in Arabic Script

†[شری جلال الدین انصاری: میں گرہ منتری جی سے یہ پوچھنا چاہتا ہوں کہ رنبیر سینا سمیت دیگر سیناؤں کے ہتھیاروں کو نرست کرنے اور ان پر پابندی لگانے کے لئے ان کی سرکار کیا کرنے جا رہی ہے]

MR. CHAIRMAN: Question Hour is over.

WRITTEN ANSWERS TO STARRED QUESTIONS

Defence expenditure for combating militant activities in North East

*25. SHRI W. ANGOU SINGH: Will the Minister of DEFENCE be pleased to state:

(a) the total defence expenditure for combating militant activities in the North Eastern Region, till date; and

(b) whether Government have taken measures to restrengthen the relationship with the countries bordering the North Eastern States?

THE MINISTER OF DEFENCE (SHRI GEORGE FERANANDES): (a) The defence expenditure for combating the militant activities in the North Eastern region since January 1990 is approximately assessed as Rs. 4200 crores excluding pay and allowances.

(b) The Government is committed to maintaining friendly and cordial relationship with our neighbouring countries and in pursuance of this avowed policy, has taken necessary steps from time to time to further strengthen relations with them.